

नॉन-फंजबिल टोकन

प्रलिस के लयः

नॉन-फंजबिल टोकन (NFTs), क्रपिटोकर्सी, ब्लॉकचेन प्रोदयोगकी ।.

मेन्स के लयः

नॉन-फंजबिल टोकन (NFTs) का कार्य और संबधति जोखमि, ब्लॉकचेन प्रोदयोगकी (लाभ तथा चुनौतयौं) ।

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में एक रपौरट के अनुसार वर्ष 2021 में अपूरणीय टोकन/नॉन-फंजबिल टोकन (Non-Fungible Tokens- NFTs) की बक्री 25 बलियन अमेरिकी डॉलर तक बढी क्योक क्रपिटो संपत्तकी लोकप्रयिता में काफी वृद्धा हुई । हालाँकि कुछ वशिषज्जों का मानना है कि एनएफटी में हुई वृद्धि क्षणकि है जसिकी वक्री में कभी भी गरिवट देखने को मलि सकती है ।

प्रमुख बदि

नॉन-फंजबिल टोकन:

- नॉन-फंजबिल टोकन के बारे में:
 - कोई भी चीज़ जसि डजिटिल रूप में बदला जा सकता है, वह NFT हो सकती है ।
 - ड्राइंग, फोटो, वीडयो, जीआईएफ, संगीत, इन-गेम आइटम, सेल्फी और यहाँ तक कि एक टवीट सभी को NFT में परविरति कयि जा सकता है, जसि बाद में क्रपिटोकर्सी का उपयोग करके ऑनलाइन कारोबार कयि जा सकता है ।
- NFT का कार्य: यदिकोई अपनी डजिटिल संपत्तकी को NFT में परविरति करता है, तो उसे ब्लॉकचेन द्वारा संचालति स्वामतिव का प्रमाण प्राप्त होगा ।
 - NFT की खरीद और वक्री हेतु एक क्रपिटोकर्सी वॉलेट और एक एनएफटी मार्केटप्लेस की आवश्यकता होती है ।
 - OpenSea.io, Rarible, Foundation कुछ एनएफटी मार्केटप्लेस हैं ।
 - एनएफटी अनय डजिटिल रूपों से इस मायने में अलग हैं और वे ब्लॉकचेन तकनीक द्वारा समर्थति हैं ।
 - NFT में एक समय में केवल एक ही मालकि हो सकता है ।
 - अननय स्वामतिव के अलावा, एनएफटी मालकि अपनी कलाकृति पर डजिटिल हस्ताक्षर भी कर सकते हैं और अपने एनएफटी मेटाडेटा में वशिषि्ट जानकारी संगरहीत कर सकते हैं ।
 - इसे केवल वह व्यक्ता देख सकेगा जसिने NFT खरीदी है ।
- एनएफटी (NFT) का इतहास: टेरा न्यूलयिस एथेरयिम ब्लॉकचेन पर आधारति पहला NFT (2015 में शुरू) था, हालाँकि इस परयोजना का एकमात्र वचिर एक छोटे संदेश को अनुकूलति करने की अनुमति दिना था जसि बाद में ब्लॉकचेन पर रकिर्ड कयि गया था ।
 - फरि 2017 में क्यूरयो कार्ड्स (Curio Cards), क्रपिटोपंकस (CryptoPunks) और क्रपिटो कैट्स (CryptoCats) का प्रयोग कयि गया, इससे पहले NFTS धीरे-धीरे जन जागरूकता के साथ उपयोग में आने लगे, फरि वर्ष 2021 की शुरूआत में मुख्यधारा को अपनाने हेतु इसका वसितार कयि गया ।

NFT तथा क्रपिटोकर्सी:

- ब्लॉकचेन पर आधारति NFTs और क्रपिटोकर्सी दोनों एक दूसरे से अलग हैं ।
- क्रपिटोकर्सी एक परविरतनीय मुद्रा है, जसिका अर्थ है कि यह वनिमिय करने योग्य है ।
 - उदाहरण के लयि यदिको आप एक क्रपिटो टोकन रखते हैं, तो उसे एक एथेरयिम कहेंगे, आपके द्वारा धारति अगला एथेरयिम भी उसी मूल्य का होगा ।
- हालाँकि NFTs अपूरणीय हैं जसिका अर्थ है कि एक NFTs का मूल्य दूसरे के बराबर नहीं होता है ।

- अपूरणीय का अर्थ है कि NFTs परस्पर वनिमिय नहीं हैं।
- हर कला दूसरों से अलग होती है, जो इसे अपूरणीय और अद्वितीय बनाती है।

NFTs की खरीद से जुड़े जोखिम:

- **धोखाधड़ी का जोखिम:** हाल के दिनों में NFT घोटालों की कई घटनाएँ सामने आई हैं जिनमें नकली बाजारों का उदय, असत्यापित विक्रेता अक्सर वास्तविक कलाकारों का प्रतारूपण करते हैं और उनकी कलाकृतियों की प्रतियाँ आधी कीमत पर बेचते हैं।
- **पर्यावरणीय जोखिम:** लेन-देन को मान्यता प्रदान करने हेतु क्रिप्टो माइनिंग किया जाता है, जिसके लिये उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर की आवश्यकता होती है जो अति उच्च क्षमता पर चलते हैं और अंततः पर्यावरण को प्रभावित करते हैं।

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी क्या है?

- ब्लॉकचेन एक प्रकार का साझा डेटाबेस है जो एक सामान्य डेटाबेस से भिन्न होता है, एक सामान्य डेटाबेस डेटा को प्रत्यक्ष तौर पर संग्रहीत करता है; जबकि ब्लॉकचेन के तहत डेटा को ब्लॉक में संग्रहीत किया जाता है, जो क्रिप्टोग्राफी के माध्यम से एक साथ जुड़े होते हैं।
- जैसे ही नया डेटा आता है, इसे एक नए ब्लॉक में दर्ज कर लिया जाता है। एक बार जब ब्लॉक डेटा से भर जाता है, तो इसे पिछले ब्लॉक से संलग्न कर दिया जाता है, जो डेटा का कालानुक्रमिक क्रम में एक साथ लकि बना देता है।
- ब्लॉकचेन पर विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को एक साथ संग्रहीत किया जा सकता है, लेकिन प्रायः इसका उपयोग लेनदेन को रिकॉर्ड करने हेतु एक 'खाता बही' के रूप में किया गया है।
- बटिकॉइन के मामले में ब्लॉकचेन का उपयोग विकेंद्रीकृत तरीके से किया जाता है ताकि इस पर किसी एक व्यक्ति या समूह का नियंत्रण न हो, बल्कि सभी उपयोगकर्ताओं को सामूहिक रूप से नियंत्रण प्राप्त हो।
- विकेंद्रीकृत ब्लॉकचेन अपरिवर्तनीय हैं, जिसका अर्थ है कि दर्ज किये गए डेटा को बदला नहीं जा सकता है। बटिकॉइन के लहिाज़ से इसका अर्थ है कलिेन-देन स्थायी रूप से रिकॉर्ड किये जाते हैं और इन्हें बाद में बदला नहीं जा सकता है।

A look at blockchain technology

What is it?

The blockchain is a decentralized ledger of all transactions across a peer-to-peer network. Using this technology, participants can confirm transactions without the need for a central certifying authority. Potential applications include fund transfers, settling trades, voting, and many other uses.

How it works:



Someone requests a transaction.

The requested transaction is broadcast to a P2P network consisting of computers, known as nodes.



Validation

The network of nodes validates the transaction and the user's status using known algorithms.



A verified transaction can involve cryptocurrency, contracts, records, or other information.



The transaction is complete.

The new block is then added to the existing blockchain, in a way that is permanent and unalterable.



Once verified, the transaction is combined with other transactions to create a new block of data for the ledger.

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

